Regarding need for strict control over OTT platforms and social media streaming obscene contents-Laid

श्री दर्शन सिंह चौधरी **(होशंगाबाद) :** प्रत्येक मानव जीवन का अभिन्न अंग है, और सिनेमा इसका एक प्रमुख माध्यम है । किंतु सोशल मीडिया के इस युग में ओटीटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से मानसिक विकृति अत्यंत तीव्र गति से समाज में फैल रही है । सिनेमा पर सेंसर बोर्ड का कुछ हद तक नियंत्रण है, लेकिन ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अभी तक कोई ठोस नियम नहीं होने के कारण ये प्लेटफॉर्म बिना किसी संयम और मर्यादा के अपने अनुसार कंटेंट प्रसारित कर रहे हैं । इससे भारतीय परंपराओं और सामाजिक मर्यादाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है । साथ ही, सोशल मीडिया पर रील्स एवं शॉर्ट वीडियो कंटेंट का अत्यधिक प्रचलन हो गया है, जिसमें फूहड़ता और अश्लीलता का खुला प्रदर्शन किया जा रहा है । यह प्रवृत्ति समाज, विशेष रूप से युवा पीढ़ी पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है । अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि इस विषय में एक ठोस नीति बनाकर ओटीटी प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया कंटेंट पर सख्त नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सके और हमारी सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों की रक्षा हो सके ।